भारत सरकार
सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2554
10.08.2026 को उत्तर देने के लिए

सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के अनुमान की पद्धति और राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी

2554. श्री पवन खेड़ा:

क्या सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी), सकल मूल्य वर्धित (जीवीए) तथा अन्य राष्ट्रीय लेखा समुच्चयों के अनुमान के लिए वर्तमान में अपनाई जा रही पद्धति क्या है और विभिन्न क्षेत्रों के लिए प्रयुक्त किए जाने वाले डेटा के स्रोतों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) आकलन की पद्धति, पुराने हो चुके आधार वर्ष, आंकड़ों के संशोधन में विलंब और असंगठित क्षेत्र के अपर्याप्त समावेशन के संबंध में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा व्यक्त की गई चिंताओं का संज्ञान लिया है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आधार वर्ष तथा राष्ट्रीय लेखा पद्धति के संशोधन की वर्तमान स्थिति क्या है और माल और सेवा कर (जीएसटी) तथा अन्य प्रशासनिक डेटाबेस को सम्मिलित किए जाने के प्रस्ताव तथा उसके कार्यान्वयन की समय-सीमा का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), योजना मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा संस्कृति मंत्रालय राज्य मंत्री (राव इंद्रजीत सिंह)

(क): सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई), राष्ट्रीय लेखा प्रणाली (एसएनए) में निहित सिफारिशों के अनुरूप सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी), सकल मूल्य वर्धित (जीवीए) और समुच्चयों सहित राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी का संकलन करता है। ये अनुमान वार्षिक और तिमाही बेंचमार्क सर्वेक्षणों, प्रशासनिक अभिलेखों और प्रशासनिक डेटाबेसों के आधार पर उत्पादन, आय और व्यय पद्धतियों का प्रयोग करके संकलित किए जाते हैं। जहाँ अर्थव्यवस्था को विभिन्न संस्थानों में विभक्त किया जाता है वहां संकलन के लिए संस्थागत दृष्टिकोण का पालन किया गया है और प्रत्येक संस्था के लिए सबसे उपयुक्त डेटा स्रोतों का

उपयोग करके अलग-अलग अनुमान तैयार किए जाते हैं। जीडीपी संकलन में प्रयुक्त संस्था-वार मुख्य डेटा स्रोत नीचे सूचीबद्ध हैं:

- **निजी गैर-वित्तीय निगम:** कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय का एमसीए-21 और एमजीटी-7 डेटाबेस

- **वित्तीय निगम:** भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई), भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई), भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (एसईबीआई) और अन्य वित्तीय विनियामकों से प्राप्त प्रशासनिक एवं विनियामक आँकड़े

- **सामान्य सरकार:** संघ और राज्य सरकारों के बजट दस्तावेज, स्वायत्त निकायों एवं स्थानीय निकायों के लेखा प्रतिवेदन।

- **परिवार क्षेत्र:** अनिगमित क्षेत्र उद्यमों के वार्षिक सर्वेक्षण (एएसयूएसई), आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस), घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण (एचसीईएस) और अन्य प्रासंगिक सर्वेक्षणों के आधार पर तैयार किए गए अनुमान।

(ख) और (ग): सरकार ने भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आकलन की कार्यपद्धति, आधार वर्ष, संशोधनों और अनौपचारिक क्षेत्र के कवरेज के संबंध में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थानों द्वारा व्यक्त चिंताओं का संज्ञान लिया है। तदनुसार, राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी का आधार वर्ष 2011–12 से संशोधित कर 2022–23 कर दिया गया है और संशोधित श्रृंखला फरवरी 2026 में जारी की गई। संशोधित श्रृंखला में अद्यतन बेंचमार्क आँकड़ों, राष्ट्रीय लेखा प्रणाली (एसएनए) की अनुशंसाओं के अनुरूप वैचारिक और पद्धतिगत सुधारों और प्रशासनिक डेटाबेस और अन्य उन्नत डेटा स्रोतों सहित कई परिवर्तनों को समाविष्ट किया गया है।

प्रमुख सुधारों में बहु-कार्यकलाप निगमित क्षेत्र उद्यमों की स्थिति में कार्यकलापों का पृथक करने, वार्षिक सर्वेक्षण परिणामों का उपयोग करके अनिगमित क्षेत्र के अनुमान और कवरेज में सुधार और दोहरी अपस्फीति और वॉल्यूम एक्स्ट्रापोलेशन विधियों के अधिक अनुप्रयोग शामिल हैं। व्यय पक्ष के लिए, निजी अंतिम उपभोग व्यय (पीएफसीई) के अनुमानों में क्लासीफिकेशन आफ इंडिविजुअल कंजम्पशन टू परपज 2018 (सीओआईसीओपी) को अपनाया गया है और घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण (एचसीईएस) डेटा के व्यापक उपयोग और बेहतर वस्तु प्रवाह विधियों द्वारा इनमें सुधार किया गया है। इसके अतिरिक्त, उत्पादन/आय और व्यय अनुमानों के बीच विसंगति को दूर करने के लिए आपूर्ति और उपयोग सारणी (एसयूटी) रूपरेखा के माध्यम से वार्षिक अनुमानों का मिलान किया जाता है। अनुमानों की कवरेज, गुणवत्ता और विश्वसनीयता में सुधार के लिए माल एवं सेवा कर (जीएसटी), ई-वाहन डेटा, सार्वजनिक वित्त प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) डेटा, एमसीए-21 डेटाबेस जैसे विभिन्न प्रशासनिक डेटा स्रोतों का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है।

******